कक्षा : चौथी **विषय : हिन्दी**

लिंग बदलो :

वृद्ध - वृद्धा	लेखक - लेखिका	स्वामी - स्वामिनी	पंडित - पंडिताइन
रूपवान - रूपवती	बाघ - बाघिन	युवक - युवती	बुद्धिमान - बुद्धिमती
लोटा - लुटिया	कवि - कवयित्री	बंदर - बंदरिया	चूहा - चुहिया
हाथी - हथिनी	सेवक - सेविका	सर्प -सर्पिणी	

विलोम शब्द :

सत्य - झूठ	एक - अनेक	आस्तिक - नास्तिक	मानव - दानव
उदय - अस्त	दुख - सुख	गुरु - शिष्य	कड़वी - मीठी
गरीब - अमीर	व्यर्थ - उपयोगी	हारना - जीतना	सुखी - दुखी
न्याय - अन्याय	पालतू - जंगली	आय - व्यय	

समानार्थक शब्द :

अंधेरा - अंधकार,तम	निपुण - योग्य, कुशल	मयूर - मोर, नीलकंठ
ईश्वर - प्रभु, भगवान	पत्थर - पाषाण, शिला	वन - जंगल, कानन
कृष्ण - गोपाल, कन्हैया	दरिद्र - निर्धन, दीन	राजा - भूप, नरेश
फूल - कुसुम, सुमन		

वचन बदलो :

बच्चा - बच्चे	घोड़ा - घोड़े	याद - यादें	धोती - धोतियाँ
यात्रा - यात्राएँ	गाथा - गाथाएँ	कन्या - कन्याएँ	वस्तु - वस्तुएँ
कला - कलाएँ	किताब - किताबें	गुब्बारा - गुब्बारे	मशीन - मशीनें
चीज़ - चीज़ें	छात्रा - छात्राएँ	बस्ती - बस्तियाँ	

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द :

जहाँ जाना कठिन हो	-	दुर्गम	जो जाना पहचाना नहीं है	-	अनजाना
दस वर्षों का समूह	-	दशक	देश- विदेश में घूमने वाला	-	पर्यटक
आदर देने योग्य	-	आदरणीय	लकड़ी का काम करने वाला	-	बढ़ई
जो मन को मोह ले	-	मनमोहक	काम से जी चुराने वाला	-	कामचोर
जिसका आचरण अच्छा न हो	-	दुराचारी	गाड़ी चलाने वाला	-	चालक
जो भूल जाता हो	-	भुलक्कड़	जो सामान बेचता हो	-	विक्रेता

मुहावरे :

1. **अंगूठा दिखाना** – साफ़ इन्कार कर देना
   सोनू ने जब अपनी पुस्तक माँगी तो मोनू ने उसे अंगूठा दिखा दिया।

2. **पेट में चूहे कूदना** – बहुत भूख लगना
   तैरने के बाद रोहन के पेट में चूहे कूदने लगे।

3. **काम तमाम करना** – मार डालना
   बिल्ली ने चूहे को पकड़कर उसका काम तमाम कर दिया।

4. **नौ दो ग्यारह होना** – भाग जाना
   माली को आते देख सभी बच्चे नौ दो ग्यारह हो गए।

5. **आँखों में धूल झोंकना** – धोखा देना
   शाम ने सबकी आँखों में धूल झोंक दी।

6. **कदम चूमना** – स्वागत करना
   सफलता मेहनती लोगों के कदम चूमती है।

7. **घुटने टेकना** – आसानी से हार मानना
   दुश्मनों ने भारतीय सेना के सामने घुटने टेक दिए।

8. **चकमा देना** – धोखा देना
   चोर पुलिस को चकमा देकर भाग गए।

9. **फूला न समाना** – बहुत खुश होना
   रामू के परीक्षा में सफल होने पर उसके माता – पिता फूले न समाए।

10. **घी के दीये जलाना** – बहुत खुश होना
    राम जी के वापस लौटने पर सभी ने अयोध्या में घी के दीये जलाए।

सर्वनाम

संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।

सर्वनाम के छ: भेद होते हैं।

1. **पुरुषवाचक सर्वनाम** – जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग बोलने वाले, सुनने वाले या किसी अन्य व्यक्ति के लिए होता है, वे पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।
   जैसे- मैं, तुम, यह, वह आदि
2. **निश्चयवाचक सर्वनाम-** किसी निश्चित वस्तु या प्राणी की ओर संकेत करने वाले सर्वनाम शब्दों को निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।
   जैसे- ये, वे, यह, वह, उसी, इसी, यही, वही आदि।
3. **अनिश्चयवाचक सर्वनाम-** अनिश्चित वस्तु या प्राणी की ओर संकेत करने वाले या उनके बारे में बताने वाले सर्वनाम शब्द अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।जैसे- कोई, कुछ
4. **प्रश्नवाचक सर्वनाम-** जो सर्वनाम शब्द प्रश्न पूछने के लिए प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं।
   जैसे- किसका, कौन, किसने, क्या, किसे, कहाँ आदि।
5. **संबंधवाचक सर्वनाम-**जो सर्वनाम शब्द वाक्य में आए अन्य संज्ञा या सर्वनाम शब्दों के परस्पर संबंध को बताते हैं, उन्हें संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं।
   जैसे – जिसकी-उसकी, जिसने-उसने, जो-सो, जहाँ-वहाँ, जैसा-वैसा आदि।
6. **निजवाचक सर्वनाम-**जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग कर्त्ता अपने लिए करता है, उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं।
   जैसे- स्वयं, खुद, अपने-आप आदि।

सर्वनाम शब्द के नीचे रेखा लगाओ और भेद का नाम लिखो।

1. तुम क्या खा रहे हो? ____________________
2. मुझे वोट दीजिए। ____________________
3. आप अंदर आइए। ____________________
4. वही मेरा मित्र है। ____________________
5. दूध में कुछ गिर गया। ____________________
6. तुम क्या पढ़ रहे हो? ____________________
7. जिसकी चाबी उसकी गाड़ी।

8. मैं अपना गृहकार्य स्वयं करूँगी। ____________________

9. कोई आपको बुला रहा है। ____________________

10. उसने मुझे उपहार दिया। ____________________

11. जैसा करोगे वैसा भरोगे। ____________________

12. हम इसी घर में रहते हैं। ____________________

क्रिया

जिन शब्दों से किसी काम के होने या करने का पता चले वे शब्द क्रिया कहलाते हैं। जैसे- सोना, रोना, भागना आदि। क्रिया के दो भेद हैं:

सकर्मक क्रिया- जिन क्रियाओं का कर्म होता है, उन्हें सकर्मक क्रियाएँ कहते हैं। जैसे - अक्षय पानी पी रहा है।

इस वाक्य में 'पानी ' कर्म है, 'अक्षय' कर्त्ता व 'पी रहा है' क्रिया है।

रीना ने आम खाया। बच्चे क्रिकेट खेल रहे हैं। राजा ने कपड़े बाँटे।

अकर्मक क्रिया- जिन क्रियाओं का कोई कर्म नहीं होता उन्हें अकर्मक क्रियाएँ कहते हैं। जैसे- रीना हँस रही है।

इस वाक्य में 'रीना' कर्त्ता है, ' हँस रही है' क्रिया है। इसमें कर्म नहीं है इसलिए यह अकर्मक क्रिया है।

वह पढ़ रहा है। रवि सो रहा है। वह खेल रहा है।

नीचे दिए गए वाक्यों में क्रिया शब्दों को रेखांकित करके उनके भेद लिखो:

1. बच्चा रो रहा था। ____________________
2. दादी ने रोहन को चाकलेट दी। ____________________
3. हमें सच बोलना चाहिए। ____________________
4. हवा चल रही है। ____________________
5. मीरा दौड़ती है। ____________________
6. वह किताब पढ़ती है। ____________________
7. ऊषा दौड़ती है। ____________________
8. पिताजी अखबार पढ़ते हैं। ____________________
9. शोभा टेलीविज़न देखती है। ____________________
10. मैडम कुरसी पर बैठी है। ____________________

पाठ -10 : दीप जले गंगा में

नए शब्द :

1. रुह	2. सैलानी	3. पड़ाव	4. हिम्मत	5. साँझ
6. रौनक	7. टूरिस्ट	8. वेग	9. अनुभूति	10. चप्पू
11. ड्राइवर	12.प्रतीक	13. रोमांच	14. सच्चाई	15. वर्तमान

शब्द-अर्थ :

1. रुह = आत्मा	2. सैलानी = पर्यटक	3. वेग = गति
4. साँझ = शाम	5. थमना = रुकना	

पाठ में से 5 शब्द चुनकर उन्हें वाक्य में प्रयोग करो।

प्रश्न – उत्तर :

प्र1. लेखक एवं उनके परिवार को घुमाने की जिम्मेदारी किसने, किसे सौंपी थी?

उ. लेखक एवं उनके परिवार को घुमाने की जिम्मेदारी लालचंद तिवारी जी ने कार ड्राइवर बच्चा गुप्ता को सौंपी ।

प्र2. लेखक के अग्रज ने बच्चों को समझाते हुए क्या कहा?

उ. उसने समझाते हुए कहा कि अशोक स्तम्भ के नीचे देवनागरी लिपि में सत्यमेव जयते लिखा है।

प्र3. नाविक कौन था? वह चप्पू कैसे चला रहा था?

उ. नाविक चौदह वर्षीय लड़का था। वह दोनों हाथों से चप्पू को लगातार चला रहा था।

पुस्तक अभ्यास (पृष्ठ नं. 84 – 85)

बहुविकल्पीय प्रश्न: 1. क) मई 2. ग) सारनाथ 3. ख) गंगा आरती 4. घ) गंगा की लहरों पर

उचित मिलान कीजिए: 1. कालभैरव 2. बच्चा गुप्ता 3. सारनाथ 4. आरती 5. किशोर

वचन बदलिए: क) बच्चा – बच्चे – बच्चों ख) यात्रा– यात्राएँ– यात्राओं ग) घोड़ा– घोड़े– घोड़ों

घ) गाथा – गाथाएँ –गाथाओं ङ·) याद – यादें – यादों च) शिखा– शिखाएँ– शिखाओं

छ) नाव – नावें– नावों ज) धार – धारें – धारों

अब सोचिए और नीचे दिए शब्दों के अर्थ लिखिए : क) घूम–घूमकर= बहुत घूमना ख) नाच– नाचकर = बहुत नाचना
ग) पीट–पीटकर = बहुत पीटना घ) रो–रोकर = बहुत रोना ङ·) खेल– खेलकर = बहुत खेलना

पुस्तक अभ्यास (पृष्ठ नं. 86)

शब्दों को वर्तमान में प्रचलित रुप में लिखिए: क) श्रद्धा ख) युद्ध ग) द्वार घ) द्वितीय

ङ·) प्रसिद्ध च) चिह्न छ) आह्वान ज) वृद्ध

जातिवाचक संज्ञा लिखिए: क) पुस्तक ख) देश ग) गुरुजी घ) त्योहार ङ·) नदी

रचनात्मक उड़ान : स्वयं करें।

पाठ – 11 : कबीर के दोहे

शब्द–अर्थ :

1. साँच = सत्य 2. हिरदै = हृदय 3. बानी = वाणी 4. आपा = घमंड
5. सीतल = शीतल 6. बलिहारी = न्योछावर 7. सुमिरन = स्मरण

प्रश्न – उत्तर :

प्र1. मीठी वाणी बोलने से क्या होता है?

उ. मीठी वाणी बोलने से दूसरों के साथ – साथ स्वयं को भी सुख मिलता है।

प्र2. दूसरों की बुराई करने से क्या होता है?

उ. दूसरों की बुराई करने से व्यक्ति का मन अपवित्र होता है और ईर्ष्या की आग में जलता है।

प्र3. गुरु को क्यों सम्मान देना चाहिए?

उ. क्योंकि वे ही ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग बताते हैं।

प्र4. लोग ईश्वर का स्मरण कब करते हैं?
उ. लोग दुख में ईश्वर का स्मरण करते हैं।

प्र5. कवि ने खुद का दोष दूर करने के लिए क्यों कहा है?
उ. क्योंकि यदि व्यक्ति अपने दोष दूर करेगा तो वह दूसरों में दोष ढूँढना भी बंद कर देगा।

पुस्तक अभ्यास (पृष्ठ नं. 90 - 91)

बहुविकल्पीय प्रश्न : 1.ग) मीठी 2.ग) दुख में 3.घ) स्वयं में

उचित मिलान कीजिए : 1) झूठ बराबर पाप 2) सुख में करै न कोय 3) बुरा न मिलिया कोय
4) काके लागूँ पाँय 5) मन का आपा खोय

समान अर्थ वाले शब्द : क) सत्य ख) वाणी ग) ईश्वर घ) स्मरण ङ) हृदय च) दूसरों

पुस्तक अभ्यास (पृष्ठ नं. 92)

तुकांत शब्द चुनकर लिखिए: क) आप ख) कोय ग) मिलाय घ) खोय ङ) ताके च) खाय

विलोम शब्द : क) झूठ ख) शीतल ग) अनेक घ) सुख ड.) भला च) शिष्य छ) पराया ज) मीठी

क्रिया शब्द : क) बोलना चाहिए। ख) स्मरण करते हैं। ग) ढूँढनी चाहिए। घ) दूर होता है। ड.) बताते हैं।

रचनात्मक उड़ान : स्वयं करें।

पाठ - 12 : हाथी के बराबर सोना

नए शब्द :

1. प्राचीन	2. अकाल	3. ऐलान	4. निर्धन	5. विधि
6. मंज़ूर	7. महावत	8. नज़ारा	9. मछुआरा	10. सेवक
11. संतुष्ट	12. बहादुरी	13. भंडार	14. समुद्र	15. व्यस्त

शब्द-अर्थ :
1. प्राचीन = पुराना 2. अकाल = कमी 3. ऐलान = घोषणा 4.मंज़ूर = स्वीकार
5. महावत = हाथी की देख-रेख करने वाला

पाठ में से 5 शब्द चुनकर उन्हें वाक्य में प्रयोग करो।

प्रश्न - उत्तर :

प्र1. राजा ने क्या ऐलान करवाया?
उ. राजा ने हाथी तोलने का उपाय बताने वाले व्यक्ति को दस सोने से भरी थैलियाँ इनाम देने का ऐलान करवाया ।

प्र2. सौवें दिन क्या हुआ?
उ. सौवें दिन समुद्र के किनारे एक बहुत बड़ी नाव तैयार हो गई।

प्र3. मछुआरे ने सोना कैसे तोला?
उ. मछुआरे ने नाव व हाथी की मदद से सोना तोला।

प्र4. प्रस्तुत पाठ से क्या सीख मिलती है?
उ. प्रस्तुत पाठ से सीख मिलती है कि मेहनत का फल मीठा होता हैं।

पुस्तक अभ्यास (पृष्ठ नं. 99 - 101)

बहुविकल्पीय प्रश्न : 1. घ) हाथी 2. क) दस 3. क) शहतीरों 4. ख) अकाल पड़ गया

वर्ण-विच्छेद : क) रक्षक ख) शत्रु ग) परिश्रम घ) ज्ञानी ङ) यात्रा

विराम-चिह्न लगाओ: 1) प्रजा राजा को बहुत चाहती थी। 2) राजा ने कहा, "ठीक है"।
3) तुम्हारी शर्त मुझे मंजूर है। 4) क्या नाव डूब जाएगी?

खाली स्थान भरो : क) से ख) के लिए, का ग) से घ) को, में ङ) ने, के ,में च) की, की

रचनात्मक उड़ान : स्वयं करें।

पाठ - 13 : गुरू नानक देव

नए शब्द :

1. विलक्षण	2. वितरित	3. व्यर्थ	4. सौदा	5. क्षमा
6. रचित	7. संगृहीत	8. अवस्था	9. शांति	10. स्थित
11. सौम्य	12. अत्यंत	13. परिचय	14.चिंतन	15. स्वरूप

शब्द-अर्थ :
1. विलक्षण = असाधारण 2. वितरण = बाँटना 3. व्यर्थ = बेकार
4. सौदा = लेन-देन 5. संगृहीत = इकट्ठा

पाठ में से 5 शब्द चुनकर उन्हें वाक्य में प्रयोग करो।

प्रश्न - उत्तर :

प्र1. बालक नानक के जन्म लेने के बाद क्या हुआ?
उ. नानक के जन्म लेने के बाद उनके मस्तक के आसपास प्रकाश का एक घेरा बन गया।

प्र2. नानक के पिता को ज्योतिषी ने क्या बताया?
उ. ज्योतिषी ने बताया कि यह बालक बड़ा भाग्यवान है। यह एक दिन जनता के हृदय पर राज करेगा।

प्र3. सामान खरीदने के लिए मिले पैसों का नानकदेव ने क्या किया?
उ. नानकदेव जी ने पैसे गरीबों को खाना खिलाने में खर्च कर दिए ।

प्र4. प्रस्तुत पाठ से आप को क्या सीख मिलती है?
उ. प्रस्तुत पाठ से सीख मिलती है कि हमें दूसरों की मदद करनी चाहिए और हर जगह ईश्वर को महसूस करना चाहिए।

पुस्तक अभ्यास (पृष्ठ नं. 108-110)

बहुविकल्पीय प्रश्न : 1. ग) सिख 2. घ) सात 3. ग) मक्का 4. ख) पंजाब प्रांत

सही और गलत : 1) √ 2) × 3) √ 4) ×

विलोम शब्द : क) अमीर ख) दुखी ग) उपयोगी घ) जलना ङ) जीतना च) अपमान

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखो: क) अमर ख) दयालु ग) निराकार घ) जन्मभूमि

वचन बदलो: क) गरीबों ख) जीवों ग) दीपों घ) गुणों ङ) पुत्रों च) बालकों

नीचे दिए गए संयुक्ताक्षरों से दो-दो शब्द लिखो: क) मस्त- मस्तक ख) बाल्यावस्था- बाल्यकाल
ग) अच्छा - गुच्छा

समान अर्थवाले दो-दो शब्द : क) अध्यापक- गुरु ख) निर्धन- रंक ग) मकान - भवन घ) नीर- जल

रचनात्मक उड़ान : स्वयं करें।

पाठ - 14 : ओणम

नए शब्द :

1. राज्य	2. नृत्य	3. मुद्रा	4. वेणी	5. गुप्त
6. हड़प	7. अभिमान	8. एकत्र	9. प्रजा	10. भंग
11. गर्दन	12. युवक	13. प्रचलित	14. प्रसन्न	15. शक्ति

शब्द-अर्थ :

1. तट = किनारा
2. नृत्य = नाच
3. एकत्र = इकट्ठा
4. अभिमान = घमंड
5. किश्ती = नाव

पाठ में से 5 शब्द चुनकर उन्हें वाक्य में प्रयोग करो:

प्रश्न - उत्तर :

प्र1. सभी दर्शक क्यों थिरक उठते हैं ?
उ. नर्तक या नर्तकी के नेत्र, गर्दन और हाथ पैरों की मुद्रा देखकर सभी दर्शक थिरक उठते हैं।

प्र2. अभिमानवश बलि ने वामन से क्या कहा ?
उ. बलि ने वामन से कहा जितना सोना-चाँदी, हाथी-घोड़े आपको चाहिए, माँग लो।

प्र3. राजा बलि के संकल्प के बाद वामन ने क्या किया?
उ. वामन ने योगबल से अपने शरीर का विस्तार करना शुरु किया।

प्र4. राजा बलि ने वामन से क्या प्रार्थना की?
उ. राजा बलि ने वर्ष में एक बार गुप्त रुप से अपनी प्रजा की कुशलता देखने का वरदान माँगा।

प्र5. विजेता किश्ती का स्वागत लोग कैसे करते हैं?
उ. विजेता किश्ती का स्वागत लोग बड़े उत्साह से करते हैं। चारों ओर ढोल-नगाड़े बज उठते हैं।

पुस्तक अभ्यास (पृष्ठ नं. 116-118)

बहुविकल्पीय प्रश्न : 1..ग) बीहू 2. ग) श्रावण 3.क) विष्णु 4.ख) राजा बलि के सिर पर

खाली स्थान भरो : 1) केरल 2) श्रावण 3) चार 4. थीरु

क्रिया से वाक्य पूरे कीजिए: क) देखा । ख) उग गया । ग) बनाई । घ) वरदान दिया । ड.) में शामिल थे ।

शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य दुबारा लिखिए:
क) दूसरे दिन थीरु मनाया जाता है।
ख) वह स्वयं इंद्रलोक का राजा बन बैठा।
ग) वामन दरबार में पहुँचे।
घ) वामन ने स्वर्ग को नाप लिया।
ड.) राजा बलि का अभिमान चूर-चूर हो गया।

नए शब्द बनाओ : क) वरदान ख) महादानी ग) समुद्रतट घ) हालचाल ड.) राजकोष च) मनचाहा छ) समझदारी ज) इंद्रलोक झ) रूपवान ञ) बलवान

नाम ढूँढ कर लिखिए : क) क्रिसमिस ख) पोंगल ग) ईद घ) रक्षाबंधन ड.) दशहरा क) लोहड़ी ख) बैसाखी ग) गुडफ्राइडे च) दीपावली

रचनात्मक उड़ान : स्वयं करें।

पाठ - 15 : बदलाव

नए शब्द :

1. पढ़ाई	2. लॉकडाउन	3. मोबाइल	4. परेशान	5. संतुलित
6. बर्दाशत	7. स्वर	8. गृहकार्य	9. उम्र	10. ज़िम्मेदारी
11. खरीदने	12. टिफ़िन	13. दर्शक	14. कंपनी	12. आँसू

शब्द-अर्थ :

1. ज़िद = हठ 2. तकलीफ़ = परेशानी 3. ढाँढ़स = सांत्वना
4. ग्लानि = अफ़सोस 5. अवाक् = नि:शब्द

पाठ में से 5 शब्द चुनकर उन्हें वाक्य में प्रयोग करो।

प्रश्न - उत्तर :

प्र1. सिद्धार्थ की माँ क्यों परेशान थी?
उ. सिद्धार्थ की बढ़ती ज़िद के कारण उसकी माँ परेशान थी।

प्र2. बाज़ार पहुँचकर सिद्धार्थ ने क्या -क्या लिया ?
उ. सिद्धार्थ ने अपनी पसंद की महँगी कार्टून वाली बॉटल, टिफ़िन और बैग लिया।

प्र3. उदास होकर ऊषा ने सिद्धार्थ की माँ से क्या कहा?
उ. ऊषा ने कहा कि इस कोरोना ने हमें बहुत तकलीफ दी है।

प्र4. माँ की कठिनाई को देखते हुए वीनू ने अपनी माँ को क्या ढाँढ़स बँधाया?
उ. वीनू ने अपनी माँ को ढाँढ़स बँधाया कि सब कुछ ठीक हो जाएगा, वह चिंता न करे ।

प्र5. सिद्धार्थ ने अपना सारा सामान ऊषा आंटी को क्यों दे दिया ?
उ. क्योंकि वह वीनू की परेशानी और तकलीफ को भी समझ गया था। उसे अपने पर ग्लानि होने लगी थी ।

प्र6. कोरोनाकाल में आपने किनकी मदद की ?
उ. कोरोनाकाल में हमने ज़रुरतमंदों की **मदद की** ।

पुस्तक अभ्यास (पृष्ठ नं. 124 - 126)

बहुविकल्पीय शब्द: 1 .ग) डेढ़ वर्षों से 2. ख) ऊषा आंटी के घर 3. ग) मोबाइल 4. घ) सचिन

खाली स्थान भरो : क) अच्छाई ख) बासी ग) दुर्लभ घ) भीतर ङ) तुच्छ

शब्दों को जोड़ कर लिखो : क) पुस्तकालय ख) धर्मशाला ग) शिवालय घ) पाकशाला ड.) देवालय च) व्यायामशाला छ) संग्रहालय ज) यज्ञशाला झ) भोजनालय न) वेधशाला

वर्ण-विच्छेद शब्द कीजिए:
क) स्+इ+द्+ध्+आ+र्+थ्+अ ख) ब्+आ+ज्+आ+र्+अ
ग) आ+द्+अ+त्+अ घ) ख्+इ+ल्+औ+न्+आ
ड.) द्+अ+र्+अ+व्+आ+ज्+आ च) स्+आ+म्+आ+न्+अ
छ) न्+औ+क्+अ+र्+ई

समान अर्थ वाले शब्द: क) पाठशाला, स्कूल ख) सदन, भवन ग) पुस्तक, ग्रंथ घ) नव, नवीन ड.) पुत्र,सुत

लेखन कार्य

पुस्तकें खरीदने के लिए पिता जी से पैसे मँगवाने हेतु :

पटेल नगर
बरनाला

दिनांक : ----------------

आदरणीय पिता जी

सादर प्रणाम

मैं यहाँ खुश हूँ और आशा करता हूँ कि आप भी वहाँ कुशलमंगल होंगे। आगे समाचार यह है कि मुझे निबन्ध प्रतियोगिता की तैयारी के लिए कुछ अतिरिक्त पुस्तकों की आवश्यकता है। इन पुस्तकों की कीमत 500/- रुपए है। कृप्या, आप मुझे शीघ्र ही रूपए भेज दीजिए ताकि मैं तैयारी शुरु कर सकूँ।
माँ को प्रणाम और राहुल को प्यार।
आपका पुत्र / पुत्री
(नाम)

विद्यालय छोड़ने के लिए त्याग प्रमाण पत्र लेने हेतु।
सेवा में

प्रधानाचार्य जी
मदर टीचर स्कूल
बरनाला

विषय : विद्यालय त्याग प्रमाण पत्र लेने हेतु।

महोदय

निवेदन है कि मेरे पिता जी का स्थानांतरण बठिंडा हो गया है। मेरा पूरा परिवार वहीं चला जाएगा। मुझे बठिंडा के विद्यालय में प्रवेश लेने के लिए विद्यालय त्याग प्रमाण पत्र की आवश्यकता होगी। अत: आपसे प्रार्थना है कि आप मुझे विद्यालय त्याग प्रमाण पत्र देकर कृतार्थ करें।
धन्यवाद
आपका आज्ञाकारी शिष्य / आपकी आज्ञाकारी शिष्या
नाम :
कक्षा : चौथी
क्रमांक :
दिनांक :

ध्यान रखें : 1. सबसे ऊपर पत्र भेजने वाले का पता लिखा जाता है। यह पत्र आप लिख रहे हैं इसलिए आपका पता आएगा।
2. पते के बाद जिस दिन पत्र लिखा जा रहा है उस दिन की तिथि लिखी जाती है।
3. मित्र / सखी शब्द का प्रयोग लिंग के अनुसार करें।
4. अंत में आप अपना नाम लिखेंगे।

कहानी –एकता में शक्ति

एक जंगल में मिट्‌टी के एक गोले और वृक्ष के पत्ते में गहरी दोस्ती थी। जब कभी तेज़ बारिश होती तो वृक्ष का पत्ता मिट्‌टी के डले को ढक लेता और मिट्‌टी का गोला गलने से बच जाता। इसी तरह जब तेज़ आँधी चलती तो मिट्‌टी का गोला वृक्ष के पत्ते के ऊपर आ जाता। इससे पत्ता आँधी में उड़ने से बच जाता। इस तरह दोनों मित्र अपने ऊपर आने वाले संकटों से बच जाते थे।

एक दिन पत्ते ने कहा, "मित्र ! यदि बारिश में मैं तुम्हें न ढकूँ तो तुम्हारा अस्तित्व ही नहीं रहेगा। यह सुनकर मिट्‌टी के गोले ने कहा,"अगर मैं तुम्हें आँधी से न बचाऊँ, तो तुम्हारा क्या होगा? परंतु मित्र हमें खुद पर घमंड नहीं करना चाहिए। हम दोस्त हैं। हमें एक दूसरे की जरुरत है। यह सुनकर वृक्ष का पत्ता नाराज़ हो गया। उसने मिट्‌टी के गोले को सबक सिखाने की योजना बनाई। अचानक तेज़ बारिश होने लगी और मिट्‌टी का डला पत्ते की तरफ भागा। परंतु उसने उसकी मदद नहीं की। वह वहीं गल गया। कुछ दिनों बाद तेज़ आँधी आई। पत्ता उड़ने लगा। उसने बचने की कोशिश की लेकिन नाकामयाब रहा। वह नदी के पानी में गिरकर गलने लगा और नष्ट हो गया।

शिक्षा : मिल – जुलकर रहने में ही सबका कल्याण है।